# गुढा के मामले में कांग्रेस क्या फाउल खेल गई है?

## महिला उत्पीड़न के मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष का हथियार बनेगी?

**जयपुर**, (का.प्र.)। मंत्री पद से बर्खास्त किए गए राजेंद्र सिंह गुढ़ा को लेकर क्या कांग्रेस सरकार कोई फाउल खेल गई। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि जिस तरह से लाल डायरी दिखाए जाने के बाद सरकार और सरकार के बचाव में आने वाले मंत्री-विधायकों में डायरी का खौफ नजर आया और इसी खौफ के चलते आनन-फानन में गुढ़ा को ना सिर्फ सदन से बर्खास्त किया गया, बल्कि मार्शलों के जरिए बाहर भी निकलवा दिया गया।

ऐसा होने पर गुढ़ा को अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है। वहीं दूसरी ओर भले ही सरकार कहे कि लाल डायरी जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन भाजपा जिस तरह से इस बात को अब मुद्दा बना रही है, वह निश्चित तौर पर सरकार की बातों पर संदेह पैदा करेगा और चुनाव के ऐन पहले इस तरह का संदेह नुकसानदायक हो सकता है। इतना ही नहीं गुढ़ा को मंत्री पद से जिस मुद्दे पर बर्खास्त किया गया है, वह मुद्दा महिला उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है और यही वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी। खुद गुढ़ा भी अब इसी मुद्दे को लेकर अपनी विधानसभा में जाएंगे तो अब तक मिले जो एंटी इनकबेंसी का नुकसान हो सकता था, वह शायद उन्हें नहीं होगा। सदन से निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा ने भी महिला उत्पीड़न को लेकर ही सबसे ज्यादा चर्चा की है।

- **गुढ़ा को बर्खास्तगी के बाद अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है**
- **महिला उत्पीड़न वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी**

राजस्थान विधानसभा की शेष बची कार्यवाही से बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा 2 अगस्त से दोबारा शुरू हो रही विधानसभा की कार्यवाही में दिखाई नहीं देंगे। निलंबित होने के बाद राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि निलंबित क्यों किया गया? वो तो केवल लाल डायरी टेबल पर ले जाना चाहते थे और अपनी बात रखना चाहते थे। गुढ़ा ने कहा कि दो दिन पहले मंत्री पद से बर्खास्त किया गया था, उसका भी कोई कारण नहीं था। उस समय भी केवल इतना ही कहा था कि सरकार को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हम अपनी माता-बहनों को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि अब शायद पार्टी से भी निकाल देंगे। निलंबन होने के बाद जनता के पास जाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं है। गुढ़ा ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के साथ कोई बदसलूकी नहीं की। अध्यक्ष के पास यह कहने गया था कि मंत्री के तौर पर जो कुर्सी थी वह बर्खास्त होने के बाद उनकी रही नहीं। ऐसे में वो कहां बैठकर अपनी बात कहेंगे, लेकिन अध्यक्ष ने उनकी बात नहीं सुनी। स्पीकर भी पता नहीं किसके दबाव में हैं।

निलंबन की कार्रवाई के बाद बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में जनता ने उन्हें दो बार भेजा है। उसमें जो वोट पड़ता है वह फेस पर दिया जाता है, विश्वास पर दिया जाता है। जनता ने इसी फेस पर भरोसा किया था कि हम विधानसभा जाकर बहन-बेटियों के लिए कुछ कर पाएंगे। आज प्रदेश की स्थिति यह है कि प्रदेश दुष्कर्म और महिला हत्या के मामले में हिंदुस्तान में नंबर 1 हो गया है। हम किस मुंह से बहन बेटियों को जाकर यह कहेंगे कि आपने जिस कारण से हमें विधानसभा में चुनकर भेजा वह हम नहीं कर सके। मैंने यह बोलने का प्रयास किया था, लेकिन मुझे बर्खास्त कर दिया गया।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इससे भी आगे बढ़कर राजस्थान के मंत्रीमंडल पर ही आरोप लगा दिया और दावा किया कि सरकार के मंत्रियों का नारको टेस्ट करवाया जाए और उनसे दुष्कर्म के संबंध में सवाल पूछा जाए तो जो लोग जेलों में बंद हैं, यह मंत्री उससे भी बड़े क्रिमिनल निकलेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री परिषद के सारे सदस्यों का नार्को टेस्ट करवाएं तो पता चले कि कैसे लोगों को जनता जिताकर विधानसभा में भेज रही है। महिला दुष्कर्म के मामले में आधे से ज्यादा मंत्री पीएचडी होल्डर मिलेंगे।

कांग्रेस के नेताओं की ओर से भी कहा जा रहा है कि जो राजेंद्र गुढ़ा डायरी लेकर आए वह फर्जी थी। इस पर राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि इस डायरी को लेने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2020 में मुझे मंत्रिमंडल की मीटिंग से यह कहते हुए भेजा था कि किसी भी कंडीशन में लाल डायरी को निकालकर लाओ। डायरी के संबंध में कुछ चीजें विधानसभा में रखना चाहता था, ताकि प्रदेश की जनता के सामने यह बात पहुंच सके, लेकिन एक साथ 20-25 मंत्री मेरे ऊपर गिरे और मुझसे वह लाल डायरी छीन ली। मंत्री ही बताएं कि वह किस बात से डर रहे थे, जब उस डायरी में कुछ नहीं था तो उन्होंने जबरन वह डायरी मुझसे क्यों छीनी? अपनी बर्खास्तगी पर गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर मुझसे इस्तीफा मांगते तो मैं रिजाइन दे देता। चाहे बड़े से बड़ा अपराधी कोई टेररिस्ट ही क्यों न हो उसकी बात पर सुनवाई होती है, लेकिन मुझे बिना किसी अपराध के बर्खास्त कर दिया गया। गुढ़ा ने कहा कि मेरी विधानसभा की सदस्यता को खतरा है या फिर जो मुकदमे मेरे पर लगे हैं उनमें मुझे जेल में डाले जाने का भी खतरा है। इन सबके बावजूद मैं संघर्ष करूंगा। गुढ़ा ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस प्रभारी ने मुझे कहा कि मैं माफी मांग लूं। माफी मांगने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत माफ कर देंगे। लेकिन मैंने माफी मांगने के बजाए संघर्ष करने का निर्णय लिया है। मैं हमारी बहन बेटियों के लिए जिन्होंने मुझे चुनाव जीता कर विधानसभा में भेजा है उनके लिए कुछ कर नहीं पाया,क्योंकि मेरे मुंह पर ताले लगा दिए गए थे।

**विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने बड़ी लाल डायरी रखी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और विधायक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।**

# राजेंद्र गुढ़ा और मदन दिलावर विधानसभा की शेष कार्यवाही के लिए निलंबित

## धारीवाल का माइक खींचने पर गुढ़ा से कांग्रेस विधायकों ने मारपीट की

**-विधानसभा संवाददाता-**

**जयपुर**। विधानसभा से बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को सोमवार को सदन में लाल डायरी लहराने, आरोप-प्रत्यारोप करने, स्पीकर से बदसलूकी करने और मंत्री शांति धारीवाल पर हमला करने की नीयत के चलते 15वीं विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। गुढ़ा के साथ ही भाजपा विधायक मदन दिलावर को भी निलंबित किया गया है। वहीं विधानसभा की कार्यवाही भाजपा के विरोध के चलते तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राजेंद्र गुढ़ा मुझे मारने के उद्देश्य से मेरी ओर बढ़े। गुढ़ा को अन्य कांग्रेस विधायकों ने रोका, अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी। धारीवाल ने भाजपा विधायक मदन दिलावर के लिए भी कुछ इसी तरह के आरोप लगाए और उन्हें भी विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। आज जिस तरह से सदन में हंगामा हुआ, उसके चलते बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर यह अनुशासनहीनता के चलते कार्रवाई हुई है। आगामी दो अगस्त को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होगी, लेकिन उसमें गुढ़ा और दिलावर शामिल नहीं हो पाएंगे।

- **भारी हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवही को तीन बार स्थगित करना पड़ा**
- **मारपीट को देखते हुए अध्यक्ष ने गुढ़ा को मार्शल के जरिये विधानसभा से बाहर करवाया**
- **बाद में जब मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, तो भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया**

दरअसल विधानसभा में शून्यकाल में सोमवार को लाल डायरी पर माहौल गर्मा गया। सदन में एक ओर भाजपा विधायकों ने लाल डायरी लहराई और नारेबाजी करने लगे। वही दूसरी ओर गुढ़ा अचानक से वेल के बीचों-बीच आये और स्पीकर के सामने एक लाल डायरी लहराने लग गए। इस पर स्पीकर ने कड़ी आपत्ति जताई और गुढ़ा को नहीं करने को कहा लेकिन जब इस पर भी गुढ़ा नहीं माने। वहीं स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री को बोलने का अवसर दिया। इस पर गुढ़ा, धारीवाल की ओर बढ़े और उनका माइक छीनने का प्रयास किया। बाद में रफीक खान सहित अन्य कांग्रेसी विधायकों ने गुढ़ा को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। मदन दिलावर, गुढ़ा को बचाने वहां पहुंचे। इसके बाद स्पीकर ने मार्शल को उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दे डाला और सदन की कार्यवाही को दो बजे तक के लिये स्थगित कर दिया।

इसके बाद फिर से दो बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, लेकिन भाजपा विधायकों ने हंगामा जारी रखा। इस दौरान भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया।

# भाजपा 'लाल डायरी' को सदन से सड़क तक ले जाएगी : राजेन्द्र राठौड़

**जयपुर**। कांग्रेस सरकार से बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने जिस 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया हैं, उस डायरी को संसद से लेकर सड़क तक भाजपा लाएगी। जनता के सामने कांग्रेसी भ्रष्टाचार के लाल धब्बों को उजागर करेंगे। हमने विधायक गुढा से भी मांग की है कि "लाल डायरी" के लाल धब्बों के तथ्य हमें उपलब्ध कराएं। गुढा के साथ सदन में जो लाल डायरी छीनने और छीना झपटी की घटना से लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने का काम किया है। यह कहना है कि नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनिया का।

- **जिस विधायक के घर जाकर मुख्यमंत्री ने कहा आपने मेरी सरकार बचाई, आपका अहसान नहीं भूल सकता; उसे ही बर्खास्त किया : नेता प्रतिपक्ष**
- **मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं : पूनिया**

सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत 3 महीने पहले जिनके पुत्र के जन्म दिवस पर उनके गांव में जाकर कहते हैं कि अगर राजेंद्र सिंह गुढा नहीं होते तो मेरी सरकार नहीं होती, मैं आपका अहसान भूल नहीं सकता। और उसी व्यक्ति ने जब महिला उत्पीडन पर कांग्रेस सरकार को आईना दिखाया तो मंत्रिमंडल से उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, "लाल डायरी" से सरकार क्यों घबरा रही है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत क्यों घबरा रहे हैं, राजस्थान की जनता लाल डायरी का राज जानना चाहती है। एक कहावत है "चोर चोरी से जाए लेकिन सीनाजोरी से नहीं जाए," राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पिछले 5 वर्षों से ऐसा कर रही है।

कांग्रेस के भीतर आवाज दबाई जाती है और सदन के भीतर भी, मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं। कांग्रेस सरकार के 5 साल राजस्थान के राजनीतिक अध्याय में काले अक्षरों में लिखे जाएंगे।

# ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी के लिये 34-सदस्यीय स्क्वाड घोषित

नयी दिल्ली 24 जुलाई। इस साल के अंत में एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर राउंड 2 में खेलने वाली सीनियर भारतीय महिला फुटबॉल टीम के लिये 34 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। एआईएफएफ ने बताया कि भारतीय महिलाएं 30 जुलाई से भुवनेश्वर में अपना शिविर शुरू करेंगी। भारत एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के ग्रुप सी में जापान (26 अक्टूबर), वियतनाम (29 अक्टूबर) और मेजबान उज्बेकिस्तान (एक नवंबर) से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का आयोजन 26 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच ताशकंद के जेएआर स्टेडियम और बुनयोडकोर स्टेडियम में होगा। इस साल की शुरुआत में भारतीय टीम ने किर्गिज़ गणराज्य को 5-0 और 4-0 से हराकर ओलंपिक क्वालीफायर के राउंड 2 जगह बनायी थी। शिविर के लिए चयनित 34 संभावितों की सूची में गोलकीपर सौम्या नारायणसामी, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, श्रेया हुडा शामिल हैं। डिफेंडरों की सूची में लोइतोंगबम आशालता देवी, नगंगबम स्वीटी देवी, संजू, ऋतु रानी, सोरोखैबम रंजना चानू, मिशेल मागरिट कास्तन्हा, डालिमा छिब्बर, मनिसा पन्ना, अष्टम उरांव, जूली किशन, शिल्की देवी, जाबामनी टुडू शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी प्रियंगका देवी, अंजू तमांग, इंदुमथी कथिरेसन, संगीता बासफोर, काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, असेम रोजा देवी और कार्तिका अंगमुथु के कंधों पर है। फॉरवर्ड पंक्ति के खिलाड़ियों में डांगमेई ग्रेस, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, अपूर्णा नारज़री, नेहा, सुमति कुमारी, रेणु, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, संध्या रंगनाथन, प्यारी ज़ाक्सा, ज्योति और नंगंगोम बाला देवी के नाम मौजूद हैं।

# करमन ने इवान्सविल में जीता ऐतिहासिक खिताब

इवान्सविल, 24 जुलाई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने रविवार को हुए फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गयीं। करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिये पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला ज़मारिप्पा को हराया था। क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को मात दी थी। करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू 60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं।

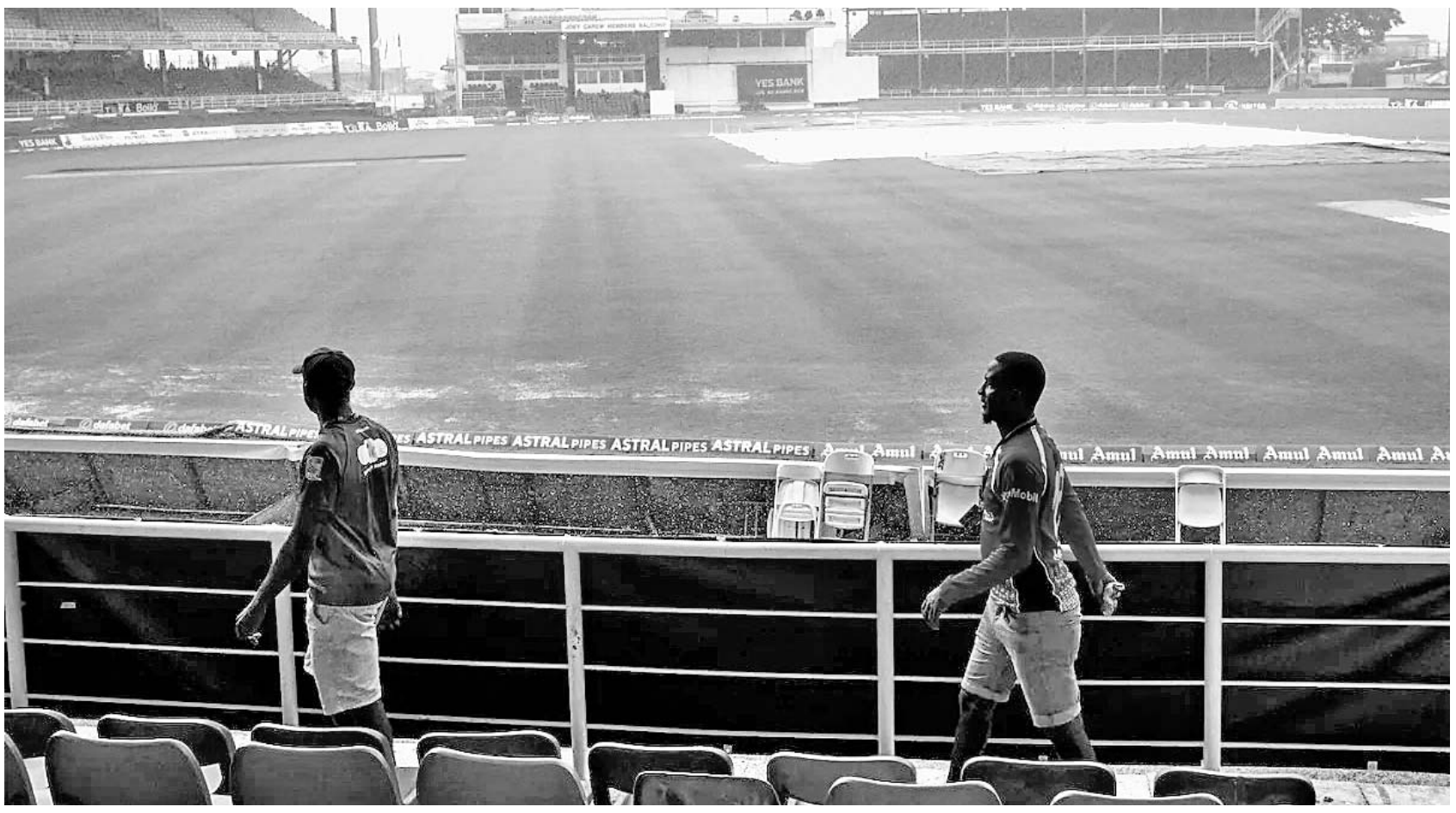


## मैच के पांचवें दिन लंच से पहले का खेल बारिश से धुला

पोर्ट ऑफ स्पेन, 24 जुलाई। मूसलाधार बारिश और आउटफील्ड गीली होने से भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन सोमवार को यहां लंच से पहले का खेल नहीं हो पाया। मैच के चौथे दिन का खेल भी बारिश से प्रभावित रहा था जिसमें वेस्टइंडीज ने 365 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 76 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज इस तरह से लक्ष्य से अभी 289 रन पीछे है। बारिश थम गई है लेकिन आउटफील्ड गीली होने के कारण पहले सत्र का खेल संभव नहीं हो पाया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय जर्मेन ब्लैकवुड 20 और सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल 24 रन पर खेल रहे थे।

# कोलंबो में पाक फ्रंट फुट पर

कोलंबो, 24 जुलाई। अबरार अहमद (69/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अब्दुल्लाह शफीक (74 नाबाद) और शान मसूद (51) के दमदार अर्द्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान दूसरे टेस्ट के पहले दिन सोमवार को श्रीलंका पर पूरी तरह हावी रहा। पाकिस्तान ने टॉस हारकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 166 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद मेहमान टीम ने दिन का खेल खत्म होने से पहले दो विकेट के नुकसान पर 145 रन बना लिये और अब वह श्रीलंका की बढ़त समाप्त करने से सिर्फ 21 रन दूर है। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत नसीम शाह और शाहीन अफरीदी की स्विंग के साथ की। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका एक दुर्भाग्यपूर्ण रनआउट की भेंट चढ़ गये, जिसके कुछ देर बाद शाहीन ने कुसल मेंडिस को आउट किया। नसीम ने डिमुथ करुणारत्ने, एंजलो मैथ्यूज़ और दिनेश चांदीमल के रूप में श्रीलंका के सभी अनुभवी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा गया। दिसंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला में पदार्पण करने वाले अबरार ने इसके बाद मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रीलंका के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले धनन्जय डी सिल्वा को आउट करने के अलावा सदीरा समरविक्रमा, रमेश मेंडिस और असिता फर्नांडो के विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी को समाप्त किया। धनन्जय ने 68 गेंद पर नौ चौकों और एक छक्के के साथ 57 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ न मिलने के कारण पूरी टीम 48.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गयी। पाकिस्तान ने इसके बाद बल्ले से भी श्रीलंका पर कोई रियायत नहीं बरती। इमाम-उल-हक़ भले ही छह रन के स्कोर पर आउट हो गये हों, लेकिन अब्दुल्लाह और शान ने काफी देर तक छह से अधिक की रनगति से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्द्धशतक पूरे करते हुए दूसरे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की। मसूद 47 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 51 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शफीक और बाबर आज़म ने दिन के आखिरी ओवर संयम के साथ गुज़ारने का फैसला लिया। दिन का खेल खत्म होने तक अब्दुल्लाह 99 गेंद पर 74 रन बनाकर जबकि बाबर 21 गेंद पर आठ रन बनाकर खेल रहे हैं।

# एशियाई खेलों के नॉकआउट मैचों से बाहर रह सकती है हरमनप्रीत

मुंबई, 24 जुलाई। बंगलादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर उजड्डु बर्ताव करने और प्रेजेंटेशन में अंपायरों की तीखी आलोचना के कारण भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। क्रिकबज़ की ओर से सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हरमनप्रीत को चार डिमेरिट अंक देने वाला है, जिसके कारण उनपर दो सीमित ओवर मैचों का प्रतिबंध लगेगा। आईसीसी आचार संहिता नियमों के अनुसार, "जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के भीतर चार या अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त करता है, तो उसे निलंबन अंकों में बदलकर (खिलाड़ी पर) प्रतिबंध लगाया जाता है। दो निलंबन अंक मिलने पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये प्रतिबंध लगाया जा सकता है।" भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला एशियाई खेलों में खेलेगी। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम को सीधा क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला है। चार डिमेरिट अंक मिलने पर हरमनप्रीत क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। इसका अर्थ यह है कि अगर भारत फाइनल तक सफर करता है तो हरमनप्रीत सीधा खिताबी मुकाबले में मैदान पर उतरेंगी। उल्लेखनीय है कि मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में पगबाधा आउट दिये जाने के फैसले से निराश हरमनप्रीत ने विकेटों पर अपना बल्ला दे मारा था और पवेलियन लौटते हुए उनकी अंपायर के साथ तीखी नोक-झोंक भी हुई थी। यह मैच अंतत: टाई रहा और तीन मैचों की शृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा था कि वह अगले बंगलादेश दौरे पर ध्यान रखेंगी कि उन्हें मेज़बान टीम के अलावा "इस तरह की अंपायरिंग" का भी सामना करना है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, मैदान पर किये गये बर्ताव के लिये हरमनप्रीत को तीन डिमेरिट अंक मिलेंगे, जबकि प्रेजेंटेशन में अंपायरों की आलोचना के लिये उन्हें एक डिमेरिट अंक मिलेगा। मैच अधिकारियों ने आईसीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। प्रतिबंधों की घोषणा हो जाने के बाद हरमनप्रीत के पास अपील करने का अधिकार है, जिस स्थिति में आईसीसी का मैच रेफरी मामले की सुनवाई करेगा।

# घुड़सवार पुंडीर ने ईएफआई पर लगाया पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। भारतीय ड्रेसेज खिलाड़ी गौरव पुंडीर ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने यह सुनिश्चित करने के लिए उनके रास्ते में कई बाधाएं पैदा की जिससे कि वह हांगजोउ एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। सेना के पूर्व घुड़सवार गुलाब सिंह के बेटे पुंडीर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ईएफआई ने उनसे महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी कि भारतीय घोड़े पृथक वास नियमों के कारण चीन में प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं। इससे उन्होंने यूरोप और अन्य जगहों पर उचित घोड़ों की तलाश में अपना समय बर्बाद किया। उन्होंने कहा, "ईएफआई अधिकारियों को पिछले साल मार्च में पता चल गया था कि भारतीय घोड़े चीन में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते हैं।

# पहले टेस्ट विकेट पर विराट भाई का गले लगाना सपने जैसा था : मुकेश

पोर्ट आफ स्पेन, 24 जुलाई। इतने साल से विराट कोहली के मैदानी कारनामों को विस्मित भाव से देखते आये मुकेश कुमार के लिये यह सपने जैसा था जब उनके पहले विकेट पर भारत के पूर्व कप्तान ने उन्हें गले लगा लिया। अपने 30वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बिहार के गोपालगंज जिले के मुकेश कुमार पिछले सात साल में बंगाल की अंडर 23 टीम से लेकर भारत ए के लिये खेल चुके हैं।मोहम्मद सिराज के साथ बीसीसीआई टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा ,"मुझे जब विकेट मिला तो विराट भैया भागकर आये और मुझे गले लगा लिया। मैं किसी और दुनिया में ही चला गया। इतने साल तक टीवी पर जिसे मैं देखता आया, उसने मुझे गले लगाया। अद्भुत अनुभव था।"उन्होंने कहा ,"जब आप और जेडी (उनादकट) भाई गेंदबाजी कर रहे थे तो रोहित भाई ने कहा था कि इस पिच पर तुरंत विकेट नहीं मिलेंगे। मेहनत करनी पड़ेगी।" मानसिक रूप से वह तैयार था लेकिन जब टीम बैठक में मैच से एक दिन पहले उसे पदार्पण के बारे में बताया गया तो उसे कुछ समय लगा। उन्होंने कहा ," जब मुझे पता चला कि मैं सच में खेल रहा हूं तो मैं स्तब्ध रह गया। मैं हमेशा से खेलने के लिये तैयार था और इसलिये ही टीम बैठक में गया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद मौका मिल सकता है।" मुकेश ने कहा ,"यहां सुबह थी और भारत में शाम हो रही थी। मैं शाम को होटल पहुंचा तो मां से बात की। मैंने कहा कि मां मैं देश के लिये खेल रहा हूं। मेरे सभी रिश्तेदार भी बहुत खुश हैं जिन्होंने शुरू से मेरा साथ दिया।"